मत छेड़ श्याम गलियन में | By Kewal Krishan & Jyoti Jeny

मत छेड़ श्याम गलियन में लोगो के खटक जाएगी
लोगो के खटक जाएगी श्याम लोगो के खटक जाएगी
चुपचाप दही खिलवा दे ना तो मटकी चटक जाएगी
ना तो मटकी चटक जाएगी सखी री तेरी मटकी चटक जाएगी
मत छेड़ श्याम गलियन में लोगो के खटक जाएगी
चुपचाप दही खिलवा दे ना तो मटकी चटक जाएगी

ग्वाल बाल सब संग हैं मोरे
मटकी रख जाने दू तोहे
घर तेरे दही दूध पड़ा है
फिर क्यूँ मेरी राह खड़ा है
जाने दे पाइयां पडूँ श्याम घर जाने दे पाइयां पडूँ
है ढीट बहुत मेरी टोली तेरी मटकी झपट जाएगी
मत छेड़ श्याम गलियन में लोगो के खटक जाएगी
चुपचाप दही खिलवा दे ना तो मटकी चटक जाएगी

सुबह से निकली शाम पड़ी है
कल ही मुझको डांट पड़ी है
क्यूँ तू इतनी बात बनाये
खुद ही अपना वक़्त गंवाए
काहे को देर करे सखी री फिर काहे को देर करे
मेरी सास खड़ी अंगना में मुझे कच्चा गटक जाएगी
चुपचाप दही खिलवा दे ना तो मटकी चटक जाएगी
मत छेड़ श्याम गलियन में लोगो के खटक जाएगी

केवल ये है श्याम की नगरी
यहाँ बचे ना कोई गगरी
श्याम तेरी नगरी है पैनी
इनमे उलझी ज्योति जेनी
छोड़ दे रस्ता मेरा श्याम अब छोड़ दे रस्ता मेरा
एक बार जो पकडू कलाईयां तेरी बैयां झटक जाएगी
ले मटकी छोड़ मेरा पीछा ये लड़ाई निपट जाएगी
एक मटकी में तेरी मेरी ये लड़ाई निपट जाएगी
ये लड़ाई निपट जाएगी..............

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a4-%e0%a4%9b%e0%a5%87%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-kewal-krishan/